अमेरिकी बिजनेस कन्सल्टेंसी एजेंसी ग्राण्ट थोर्नटन रिसर्च की अध्ययन रिपोर्ट

यूपी में चीनी उद्योग सबसे खस्ताहाल

हिन्दुस्तान 10.11.2014 P 02

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

कर्नाटक व महाराष्ट्र के मुकाबले उत्तर प्रदेश में एक किलो चीनी की उत्पादन लागत करीब साढ़े सात रुपए ज्यादा आ रही है। यूपी में चीनी उद्योग को यह नुकसान यह सिर्फ ज्यादा गन्ना मूल्य के चलते ही नहीं बल्कि कम चीनी परता की वजह से भी हो रहा है।

यह निष्कर्ष इण्डियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) और अमेरिकी बिजनेस कन्सल्टेंसी एजेंसी ग्राण्ट थोर्नटन रिसर्च की हालिया अध्ययन रिपोर्ट में सामने आए हैं।

इस रिपोर्ट के अनुसार उ.प्र. की चीनी मिलों का कारोबारी घाटा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। 2013-14 में यह कारोबारी घाटा करीब 2019 करोड़ रुपए हो गया था। रिपोर्ट कहती है कि उ.प्र. के चीनी उद्योग के लिए बीते चार साल बहुत नकारात्मक रहे।

इस रिपोर्ट में उ.प्र. के चीनी उद्योग के भविष्य के प्रति गहरी चिन्ता जताई गई है। इसका आधार बदहाल ट्रांसपोर्ट व्यवस्था, बन्दरगाह से दूरी के चलते चीनी के निर्यात में आने वाले दिक्कतें और इस वजह से देश के बाहर अपनी चीनी न बेच पाने की मजबूरी जैसी समस्याएं हैं।

इसके अलावा ज्यादा उत्पादन लागत के चलते महाराष्ट्र व कर्नाटक से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना और आर्थिक संकट के चलते हर साल किसानों को समय से गन्ना मूल्य का भुगतान न हो पाना बढ़ते बकाए के कारण हैं।

विभिन्न राज्यों में चीनी परता और पिछले कुछ वर्षों में किसानों को दिया गया गन्ना मूल्य

राज्य	चीनी परता %	2013-14	2012-13	2011-12	2010-11
पंजाब	9.43	280 रु./कु.	240 रु./कु.	235 रु./कु.	190 रु./कु.
हरियाणा	9.44	295	271	226	210
उत्तर प्रदेश	9.26	280	280	240	205
महाराष्ट्र	11.40	255	275	210	200
गुजरात	11.09	240	260	—	—
तमिलनाडु	09	240	240	200	190
कर्नाटक	11	250	275	196	180
बिहार	8.97	255	255	225	205
उत्तराखण्ड	8.90	285	285	250	210
आन्ध्र प्रदेश	9.98	251	246	200	190

media/Lko/0007